27 सितंबर 2013

सेवा में,

**श्री युत् ओम प्रकाश सिंह जी,**

**पर्यटन मंत्री**

उत्तर प्रदेश शासन,

लखनऊ।

**विषय: आगरा की कम विख्यात ऐतिहासिक इमारतों के लिए "आगरा दर्शन" शुरू करने हेतु।**

महोदय,

आगरा, भारत की पर्यटन राजधानी है। यहां तीन विश्वदाय धरोहर हैं। अत: यहां लगभग अस्सी लाख देशी-विदेशी पर्यटक आता है। हमें यह देखने की जरूरत है कि अस्सी लाख पर्यटकों में से कितने प्रतिशत पर्यटक ही फतेहपुर सीकरी देखने जा पाता है। सिकन्दरा, ऐत्मादुद्दौला, मेहताब बाग, रामबाग आदि कई पर्यटन स्थलों पर कुछ फीसदी ही पर्यटक जा पाते हैं। हमें कोशिश करनी चाहिए कि आगरा आने वाला पर्यटक अधिकतम आगरा घूम कर जाए।

**कम विख्यात धरोहरों को दिखाने की व्यवस्था नहीं**

पर्यटकों को आगरा की प्रमुख ऐतिहासिक धरोहरों के अतिरिक्त आगरा में क्या-क्या अन्य दर्शनीय स्थल हैं, न तो उनकी जानकारी होती है और जानकारी हो तो भी आने जाने में लगने वाले समय और खर्च को दृष्टिगत रखते हुए वे ताज और किला देखकर ही लौट जाते हैं। हमारा प्रयास रहना चाहिए कि पर्यटक को ज्यादा से ज्यादा समय आगरा में रोकें और 'पूरा' आगरा दर्शन कराया जाए।

**शुरू हो एक और "आगरा दर्शन"**

आगरा में उत्तर प्रदेश पर्यटन आगरा दर्शन के नाम से मृतप्राय: बस सेवा चला रहा है। इसमें फतेहपुर सीकरी, आगरा किला और ताजमहल दिखाने का टूर रहता है। आगरा में आने वाले देशी-विदेशी यात्रियों की सुविधा के लिए दिल्ली परिवहन की तर्ज पर "आगरा दर्शन" की एक

अन्य बस सेवा चलाए जाने की जरूरत है। इसमें पर्यटकों को कम विख्यात ऐतिहासिक इमारतों पर घुमाने की योजना कार्यांवित की जाय। हमारा निवेदन है कि **एक अक्टूबर से बस सेवा शुरू हो**। समय से शुरूआत अवश्य ही आगरा और प्रदेश के आर्थिक और पर्यटन हित में रहेगी।

### ढांचागत सुविधाएं न होने से नहीं आते पर्यटक आगरा

भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या देखने से स्थिति स्पष्ट होती है कि आगरा आने वाले पर्यटकों की संख्या काफी कम है। पर्यटन मंत्रालय की साइट पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश आने वालों की संख्या किसी भी प्रदेश में आने वाले पर्यटकों की संख्या के आधार पर तीसरे नंबर पर है। पहले नंबर पर आंध्र प्रदेश और दूसरे नंबर पर कर्नाटक है। भारत में आने वाले विदेशी पर्यटकों के मुकाबले आगरा आने वाले पर्यटक सिर्फ 12 फीसदी भी नहीं हैं।

**विदेशी पर्यटक**

| वर्ष | भारत | आगरा | % आगरा आने वाले |
|---|---|---|---|
| **2009** | **51,67,699** | **4,88,922** | **09.46** |
| **2010** | **57,75,692** | **6,17,855** | **10.69** |
| **2011** | **63,09,222** | **6,79,038** | **10.76** |
| **2012** | **66,48,318** | **7,90,616** | **11.89** |

**ताज आने वाले पर्यटक (टिकिट बिक्री के आधार पर)**

| वर्ष | भारतीय | सूचकांक | विदेशी | सूचकांक | कुल | सूचकांक |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 2006 | 20,48,120 | 100 | 4,91,351 | 100 | 25,39,471 | 100 |
| 2007 | 26,24,085 | 128 | 5,86,104 | 119 | 32,10,189 | 126 |
| 2008 | 26,35,284 | 128.7 | 5,91,560 | 120 | 32,26,844 | 127 |
| 2009 | 25,82,934 | 126 | 4,88,922 | 99.5 | 30,71,856 | 121 |
| 2010 | 40,81,425 | 199 | 6,17,855 | 126 | 46,99,280 | 185 |
| 2011 | 46,04,603 | 224.8 | 6,79,038 | 138 | 52,83,641 | 208 |
| 2012 | 52,34,200 | 255.6 | 7,90,616 | 161 | 60,24,816 | 237 |
| 2013* | 32,87,161 | | 4,65,901 | | 37,53,062 | |
| (सन् 2013 की संख्या अगस्त तक की है) | | | | | | |
| (सन् 2006 को आधार वर्ष को 100 सूचकांक मानने पर) | | | | | | |

**ताज आने वाले भी नहीं देख पाते अन्य धरोहर**

आगरा में ताज के अलावा सैकड़ों ऐतिहासिक धरोहर हैं। यदि ताज के पश्चिमी गेट से जाएं तो आगरा किला, ताज के रास्ते में पड़ता है। यहां भी पर्यटक ताजमहल के आधे के आसपास ही आते हैं। तीसरी विश्वदाय धरोहर फतेहपुर सीकरी है। यहां ताजमहल के मुकाबले कुछ ही प्रतिशत पर्यटक आ पाते हैं। अन्य इमारत जिन पर टिकट लगती है, वह सिकन्दरा, ऐतिमादुद्दौला, मेहताब बाग, रामबाग और मरियम टोम हैं। आगरा की टिकट लगने वाली इन धरोहर में से कुछ ताज के मुकाबले सिर्फ एक फीसदी के आसपास तक पर्यटक आकर्षित कर पाते हैं। यह विचारणीय है कि ताज आने वाले पर्यटक अन्य धरोहर क्यों नहीं देख पाते हैं?

| स्मारक | टिकट बिकीं वर्ष 2012-13 | | | |
|---|---|---|---|---|
| | भारतीय | विदेशी | कुल | सूचकांक* |
| ताजमहल | 53,36,645 | 7,92,261 | 61,28,906 | 100.00 |
| आगरा किला | 17,16,858 | 3,00,234 | 20,17,092 | 32.91 |
| फतेहपुर सीकरी | 4,84,804 | 2,75,935 | 7,60,739 | 12.41 |
| अकबर का मकबरा | 5,24,154 | 56,133 | 5,80,287 | 9.47 |
| ऐत्मादुद्दौला | 1,40,234 | 77,342 | 2,17,576 | 3.55 |
| मेहताब बाग | 1,07,188 | 23,840 | 1,31,028 | 2.14 |
| रामबाग | 61,452 | 318 | 61,770 | 1.01 |
| मरियम का मकबरा | 39,941 | 384 | 40,325 | 0.66 |

*ताजमहल आने वाले पर्यटकों को आधार मानने पर

**गलत समय शुरूआत से असफल हुआ प्रयास**

पहले भी ऐसा प्रयास हो चुका है। चूंकि पहले 14 मार्च 2012 को शुरूआत की गई थी। आगरा में पर्यटन सीजन अक्टूबर से फरवरी-मार्च तक रहता है। जाहिर है कि पहले शुरूआत ऑफ सीजन में की गई। इसका समय भी पूरी दोपहर का था। 11 बजे शुरू होकर 03 बजे वापिसी थी।

**बस के दो चक्कर संभव**

ऐतिहासिक इमारतें सूर्योदय पर खुलती हैं, और सूर्यास्त पर बंद होती हैं। अतः बस को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के लिए दो चक्कर लगाए जा सकते हैं। दोनों चक्कर लगाने का कुल समय मात्र आठ घंटे होगा। इससे यात्रियों को समय का विकल्प उपलब्ध रहेगा।

**एक समान रहे किराया**

ताज, किला और सीकरी के लिए 'चालू' आगरा दर्शन का किराया देशी पर्यटक के लिए 500 रुपये और विदेशी पर्यटक के लिए 2000 रुपये है। जाहिर है किराए के इस अंतर से संदेश जाता है कि विदेशी पर्यटक लुट रहा है। अतः वह बेहतर विकल्प की तलाश करता है। स्वाभाविक है कि इतने किराए में वह अपनी टैक्सी ले सकता है। बच्चों के लिए किराया 350 रुपये है। यह स्पष्ट नहीं है कि बच्चा यानि कितनी उम्र तक का। ऐसी स्थितियां विवाद का कारण बनती हैं। यह यात्रा को कटु स्मृतियों से भर देती है जो भविष्य में नकारात्मक प्रभाव उत्पन्न करती है।

**निजी मिनी बसों को हो परमिट**

प्रायः देखा गया है कि व्यवसायिक गतिविधियों में निजी क्षेत्र की सक्रियता से नगण्य मुनाफे वाले क्षेत्र में भी अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है। इससे एक विशेष क्षेत्र के लोगों को अच्छी सेवा भी उपलब्ध होती है। अतः यदि 13 से 35 सीट वाली मिनी बसों को परमिट देकर अधिकृत किया जाए तो पर्यटकों को बेहतर सुविधा की उपलब्धता की संभावनाओं को बल मिलता है। इसका रूट, किराया, गाड़ी का रंग-रूप और स्टाफ की यूनीफॉर्म आदि संभागीय परिवहन प्राधिकरण तय कर सकता है। यदि ऐसा होता है, तो सरकार बस सेवा शुरू करने में होने वाली प्रक्रिया में देरी और लाभ-हानि की चिंता से मुक्त रह सकती है। परिवहन प्राधिकरण को एसी और नॉन एसी दोनों श्रेणियों की बस की उपलब्धता सुनिश्चित करे तो बेहतर होगा। उपलब्ध जानकारी के अनुसार आगरा क्षेत्र में 13 से 35 सीट वाली बसों के जनवरी 2013 तक 47 परमिट जारी हो चुके हैं। अगर संभागीय परिवहन प्राधिकरण एक बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दे, तो तुरंत बस सेवा शुरू की जा सकती है।

**रूट में हों कम विख्यात पर्यटन स्थल**

बस सेवा का रूट तय करना संभागीय परिवहन प्राधिकरण का दायित्व है, फिर भी कई पर्यटन के जानकारों से बात करने पर जो संभावित रूट बनता है, वह अग्रमुद्रित है। सबसे ज्यादा पर्यटक सबसे पहले ताजमहल देखते हैं। अतः रूट की शुरूआत ताजमहल के पश्चिमी गेट से की जा सकती है। फिर आगरा किला, मेहताब बाग, ग्यारह सीढ़ी, ऐत्मादुद्दौला, चीनी का रोजा, रामबाग, सिकन्दरा, मरियम टोम होकर कीठम झील तक जाया और वापिस आया जा सकता है।

**व्यापक स्तर पर हो प्रचार अभियान**

शासन-प्रशासन और पर्यटन से जुड़े सभी का प्रयास पर्यटक को आगरा में अधिकतम समय के लिए आनंददायक, स्मृतियों में तरोताजा रहने वाली यात्रा का अनुभव कराना होता है। इसके लिए उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग और आगरा प्रशासन की बेवसाइट पर पूरी जानकारी रहनी चाहिए। कम से कम आगरा के सभी होटल और ट्रैवल एजेंसियों के माध्यम से अधिकतम पर्यटकों तक सूचना होनी चाहिए।

**होटलों को बनाया जा सकता है बुकिंग एजेंट**

आमतौर पर देखें तो ज्यादातर होटल ट्रैवल एजेंसियों को व्यवसाय देने के बदले में कुछ कमीशन पाते हैं। यदि होटल को बुकिंग एजेंट बनाया गया तो उनका इसमें भी फायदा होने पर वह इस योजना में मदद करने का मन बना सकेंगे।

आगरा डवलपमेंट फाउंडेशन द्वारा प्रस्तावित

# आगरा हेरिटेज टूर

शुरूआत स्थल : ताजमहल पश्चिमी गेट पार्किंग

समाप्ति स्थल : आगरा फोर्ट वाया भगवान टॉकीज, बिजलीघर

(ताजमहल से कीठम की दूरी - 40 किमी)

| संख्या | इमारत का नाम | दूरी | ठहराव | यात्रा समय |
|---|---|---|---|---|

कृपया उपरोक्त सुझाव पर सकारात्मक कार्यवाही कर आगरा एवं प्रदेश के पर्यटन जगत को अनुग्रहीत करें।

धन्यवाद एवं आदरसहित,

के. सी. जैन
सचिव

वाई. के. गुप्ता
उपाध्यक्ष

पूरन डाबर
अध्यक्ष

राकेश गर्ग
संयुक्त सचिव

चक्रेश जैन
कोषाध्यक्ष

# आगरा डवलपमेंट फाउंडेशन